Saraswati Chalisa Lyrics with Meaning in English and Hindi

Saraswati Chalisa Lyrics in Hindi

॥ दोहा ॥
जनक जननि पद्मरज, निज मस्तक पर धरि ।
बन्दौं मातु सरस्वती, बुद्धि बल दे दातारि ॥
पूर्ण जगत में व्याप्त तव, महिमा अमित अनंतु।
दुष्जनों के पाप को, मातु तु ही अब हन्तु ॥

जय श्री सकल बुद्धि बलरासी । जय सर्वज्ञ अमर अविनाशी ॥

जय जय जय वीणाकर धारी । करती सदा सुहंस सवारी ॥

रूप चतुर्भुज धारी माता । सकल विश्व अन्दर विख्याता ॥

जग में पाप बुद्धि जब होती । तब ही धर्म की फीकी ज्योति ॥

तब ही मातु का निज अवतारी । पाप हीन करती महतारी ॥

वाल्मीकिजी थे हत्यारा । तव प्रसाद जानै संसारा ॥

रामचरित जो रचे बनाई । आदि कवि की पदवी पाई ॥

कालिदास जो भये विख्याता । तेरी कृपा दृष्टि से माता ॥

तुलसी सूर आदि विद्वाना । भये और जो ज्ञानी नाना ॥

तिन्ह न और रहेउ अवलम्बा । केव कृपा आपकी अम्बा ॥

करहु कृपा सोइ मातु भवानी । दुखित दीन निज दासहि जानी ॥

पुत्र करहिं अपराध बहूता । तेहि न धरई चित माता ॥

राखु लाज जननि अब मेरी । विनय करउं भांति बहु तेरी ॥

मैं अनाथ तेरी अवलंबा । कृपा करउ जय जय जगदंबा ॥

मधुकैटभ जो अति बलवाना । बाहुयुद्ध विष्णु से ठाना ॥

समर हजार पाँच में घोरा । फिर भी मुख उनसे नहीं मोरा ॥

मातु सहाय कीन्ह तेहि काला । बुद्धि विपरीत भई खलहाला ॥

तेहि ते मृत्यु भई खल केरी । पुरवहु मातु मनोरथ मेरी ॥

चंड मुण्ड जो थे विख्याता । क्षण महु संहारे उन माता ॥

रक्त बीज से समरथ पापी । सुरमुनि हदय धरा सब काँपी ॥

काटेउ सिर जिमि कदली खम्बा । बारबार बिन वउं जगदंबा ॥

जगप्रसिद्ध जो शुंभनिशुंभा । क्षण में बाँधे ताहि तू अम्बा ॥

भरतमातु बुद्धि फेरेऊ जाई । रामचन्द्र बनवास कराई ॥

एहिविधि रावण वध तू कीन्हा । सुर नरमुनि सबको सुख दीन्हा ॥

को समरथ तव यश गुन गाना । निगम अनादि अनंत बखाना ॥

विष्णु रुद्र जस कहिन मारी । जिनकी हो तुम रक्षाकारी ॥

रक्त दन्तिका और शताक्षी । नाम अपार है दानव भक्षी ॥

दुर्गम काज धरा पर कीन्हा । दुर्गा नाम सकल जग लीन्हा ॥

दुर्ग आदि हरनी तू माता । कृपा करहु जब जब सुखदाता ॥

नृप कोपित को मारन चाहे । कानन में घेरे मृग नाहे ॥

सागर मध्य पोत के भंजे । अति तूफान नहिं कोऊ संगे ॥

भूत प्रेत बाधा या दुःख में । हो दरिद्र अथवा संकट में ॥

नाम जपे मंगल सब होई । संशय इसमें करई न कोई ॥

पुत्रहीन जो आतुर भाई । सबै छांड़ि पूजें एहि भाई ॥

करै पाठ नित यह चालीसा । होय पुत्र सुन्दर गुण ईशा ॥

धूपादिक नैवेद्य चढ़ावै । संकट रहित अवश्य हो जावै ॥

भक्ति मातु की करैं हमेशा । निकट न आवै ताहि कलेशा ॥

बंदी पाठ करें सत बारा । बंदी पाश दूर हो सारा ॥

रामसागर बाँधि हेतु भवानी । कीजै कृपा दास निज जानी ॥

॥दोहा॥
मातु सूर्य कान्ति तव, अन्धकार मम रूप ।
डूबन से रक्षा करहु, परूँ न मैं भव कूप ॥

बलबुद्धि विद्या देहु मोहि, सुनहु सरस्वती मातु ।
राम सागर अधम को, आश्रय तू ही देदातु ॥

Saraswati Chalisa Meaning in Hindi

॥ दोहा ॥
जनक जननि पद्मरज, निज मस्तक पर धरि।

- हे माता ! मैं आपके चरणों की धूल को अपने मस्तक पर धारण करता हूँ।

बन्दौं मातु सरस्वती, बुद्धि बल दे दातारि॥

- हे माता सरस्वती! मैं आपकी वंदना करता हूँ। कृपा करके मुझे बुद्धि और बल प्रदान करें।

पूर्ण जगत में व्याप्त तव, महिमा अमित अनंतु।

- आपकी महिमा पूरे संसार में व्याप्त है। यह अपार और अनंत है।

दुष्जनों के पाप को, मातु तु ही अब हन्तु॥

- हे माता! आप ही दुष्टों के पापों का नाश करने वाली हैं। कृपा करके उनका विनाश करें।

जय श्री सकल बुद्धि बलरासी। जय सर्वज्ञ अमर अविनाशी॥

- जय हो! आप संपूर्ण बुद्धि और शक्ति की भंडार हैं। आप सर्वज्ञ, अमर और अविनाशी हैं।

जय जय जय वीणाकर धारी। करती सदा सुहंस सवारी॥

- जय हो! जय हो! आप वीणा धारण करती हैं और सदैव हंस पर सवार रहती हैं।

रूप चतुर्भुज धारी माता। सकल विश्व अन्दर विख्याता॥

- हे माता! आप चार भुजाओं वाले रूप में विराजमान हैं। आप पूरे विश्व में प्रसिद्ध हैं।

जग में पाप बुद्धि जब होती। तब ही धर्म की फीकी ज्योति॥

- जब संसार में पापमय बुद्धि का विस्तार होता है, तब धर्म की ज्योति मंद पड़ जाती है।

तब ही मातु का निज अवतारी। पाप हीन करती महतारी॥

- तब हे माता ! आप अवतार लेकर पापों का नाश करती हैं और संसार को पवित्र बनाती हैं।

वाल्मीकिजी थे हत्यारा। तव प्रसाद जानै संसारा॥

- वाल्मीकि जी, जो पहले हत्यारे थे, आपकी कृपा से महान ज्ञानी बने। यह बात पूरी दुनिया जानती है।

रामचरित जो रचे बनाई। आदि कवि की पदवी पाई॥

- उन्होंने रामचरितमानस की रचना की और 'आदि कवि' का सम्मान प्राप्त किया।

कालिदास जो भये विख्याता। तेरी कृपा दृष्टि से माता॥

- महाकवि कालिदास आपकी कृपा दृष्टि से ही संसार में विख्यात हुए।

तुलसी सूर आदि विद्वाना। भये और जो ज्ञानी नाना॥

- तुलसीदास, सूरदास और अन्य अनेक विद्वान आपकी कृपा से महान ज्ञानी बने।

तिन्ह न और रहेउ अवलम्बा। केवल कृपा आपकी अम्बा॥

- इन महापुरुषों को आपके अलावा कोई और सहारा नहीं था। आपकी कृपा ही उनका आधार थी।

करहु कृपा सोइ मातु भवानी। दुखित दीन निज दासहि जानी॥

- हे माता भवानी ! कृपया मुझ पर भी वैसी ही कृपा करें। मुझे अपना दुखी और दीन सेवक समझकर मेरी सहायता करें।

पुत्र करहिं अपराध बहूता। तेहि न धरई चित माता॥

- जैसे माता अपने पुत्रों के अनेक अपराधों को ध्यान में नहीं रखती, वैसे ही आप भी मेरे अपराधों को क्षमा करें।

राखु लाज जननि अब मेरी। विनय करउं भांति बहु तेरी॥

- हे माता! अब मेरी लाज रख लें। मैं विभिन्न प्रकार से आपकी विनती कर रहा हूँ।

मैं अनाथ तेरी अवलंबा। कृपा करउ जय जय जगदंबा॥

- मैं अनाथ हूँ और केवल आपका सहारा है। कृपा करें। जय हो, जय हो, हे जगदंबा!

मधुकैटभ जो अति बलवाना। बाहुयुद्ध विष्णु से ठाना॥

- मधु और कैटभ जैसे अत्यंत बलवान राक्षसों ने भगवान विष्णु से युद्ध किया था।

समर हजार पाँच में घोरा। फिर भी मुख उनसे नहीं मोरा॥

- उन्होंने हजारों वर्षों तक भीषण युद्ध किया, लेकिन फिर भी उनका अहंकार नहीं टूटा।

मातु सहाय कीन्ह तेहि काला। बुद्धि विपरीत भई खलहाला॥

- तब, हे माता! आपने सहायता की, जिससे उनकी बुद्धि भ्रमित हो गई।

तेहि ते मृत्यु भई खल केरी। पुरवहु मातु मनोरथ मेरी॥

- इस कारण उन दुष्टों का अंत हो गया। हे माता! कृपा करके मेरे भी मनोरथ (इच्छा) को पूरा करें।

चंड मुण्ड जो थे विख्याता। क्षण महु संहारे उन माता॥

- चंड और मुण्ड जैसे प्रसिद्ध दानवों को आपने क्षणभर में समाप्त कर दिया।

रक्त बीज से समरथ पापी। सुरमुनि हृदय धरा सब काँपी॥

- जब रक्तबीज नामक दानव ने अपना आतंक फैलाया, तो देवता और मुनियों के हृदय भय से कांप उठे।

काटेउ सिर जिमि कदली खम्बा। बारबार बिनवउं जगदंबा॥

- आपने उसका सिर ऐसे काटा जैसे केले के तने को काटा जाता है। हे जगदंबा! मैं बार-बार आपकी विनती करता हूँ।

जगप्रसिद्ध जो शुंभनिशुंभा। क्षण में बाँधे ताहि तू अम्बा॥

- शुंभ और निशुंभ, जो जगत में कुख्यात थे, उन्हें भी आपने पलभर में पराजित कर दिया।

भरतमातु बुद्धि फेरेऊ जाई। रामचन्द्र बनवास कराई॥

- आपने माता कैकयी की बुद्धि फेर दी, जिससे उन्होंने भगवान राम को वनवास दिला दिया।

एहिविधि रावण वध तू कीन्हा। सुर नरमुनि सबको सुख दीन्हा॥

- इसी प्रकार आपने रावण का वध करवाया और देवताओं, मनुष्यों तथा मुनियों को सुख प्रदान किया।

को समरथ तव यश गुन गाना। निगम अनादि अनंत बखाना॥

- कौन आपकी महिमा और गुणों का संपूर्ण वर्णन कर सकता है? शास्त्रों में आपकी अनादि और अनंत महिमा का उल्लेख है।

विष्णु रुद्र जस कहिन मारी। जिनकी हो तुम रक्षाकारी॥

- भगवान विष्णु और रुद्र ने आपकी स्तुति की है। आप उनकी भी रक्षा करने वाली हैं।

रक्त दन्तिका और शताक्षी। नाम अपार है दानव भक्षी॥

- आप रक्तदन्तिका और शताक्षी के रूप में प्रसिद्ध हैं। आपके अनेक नाम हैं, और आप दानवों का संहार करने वाली हैं।

दुर्गम काज धरा पर कीन्हा। दुर्गा नाम सकल जग लीन्हा॥

- आपने कठिन कार्यों का संपादन किया, जिससे आप 'दुर्गा' के नाम से समस्त संसार में प्रसिद्ध हुईं।

दुर्ग आदि हरनी तू माता। कृपा करहु जब जब सुखदाता॥

- हे माता दुर्गा! आप सभी कष्टों का नाश करती हैं। कृपा करके जब-जब जरूरत हो, हमें सुख प्रदान करें।

नृप कोपित को मारन चाहे। कानन में घेरे मृग नाहे॥

- यदि कोई राजा क्रोधित होकर किसी का संहार करना चाहे या वन में हिंसक पशु घेर लें, तो भी आपकी कृपा से रक्षा होती है।

सागर मध्य पोत के भंजे। अति तूफान नहिं कोऊ संगे॥

- यदि समुद्र के बीच में जहाज टूट जाए और भयंकर तूफान आ जाए, तब भी आपकी कृपा से संकट टल जाता है।

भूत प्रेत बाधा या दु:ख में। हो दरिद्र अथवा संकट में॥

- चाहे भूत-प्रेत की बाधा हो, दु:ख हो, दरिद्रता हो या कोई बड़ा संकट हो, आपकी भक्ति से सब कष्ट दूर हो जाते हैं।

नाम जपे मंगल सब होई। संशय इसमें करई न कोई॥

- जो आपका नाम जपता है, उसके सभी कार्य शुभ हो जाते हैं। इसमें किसी प्रकार का संदेह नहीं है।

पुत्रहीन जो आतुर भाई। सबै छांड़ि पूजें एहि भाई॥

- जो संतानहीन और परेशान है, वह यदि आपकी पूजा करे, तो उसकी सभी समस्याएं दूर हो जाती हैं।

करै पाठ नित यह चालीसा। होय पुत्र सुन्दर गुण ईशा॥

- जो व्यक्ति नियमित रूप से इस चालीसा का पाठ करता है, उसे सुंदर और गुणवान संतान प्राप्त होती है।

धूपादिक नैवेद्य चढ़ावै। संकट रहित अवश्य हो जावै॥

- जो भक्त धूप-दीप और नैवेद्य अर्पित करता है, उसके सभी संकट समाप्त हो जाते हैं।

भक्ति मातु की करैं हमेशा। निकट न आवै ताहि कलेशा॥

- जो हमेशा माता की भक्ति करता है, उसके निकट कोई कष्ट नहीं आता।

बंदी पाठ करें सत बारा। बंदी पाश दूर हो सारा॥

- जो बंदी (कैद में) है, यदि वह इस पाठ को 12 बार करे, तो उसके बंधन समाप्त हो जाते हैं।

रामसागर बाँधि हेतु भवानी। कीजै कृपा दास निज जानी॥

- हे भवानी! रामसागर जैसे आपके भक्तों पर कृपा कीजिए और मुझे भी अपना दास मानकर कृपा प्रदान करें।

॥ दोहा ॥
मातु सूर्य कान्ति तव, अन्धकार मम रूप।

- हे माता! आपकी चमक सूर्य के समान है, जबकि मेरा जीवन अंधकारमय है।

डूबन से रक्षा करहु, परूँ न मैं भव कूप॥

- कृपा करके मुझे डूबने से बचाएं और संसार रूपी कुएं में गिरने से रक्षा करें।

बलबुद्धि विद्या देहु मोहि, सुनहु सरस्वती मातु।

- हे माता सरस्वती ! कृपा करके मुझे बल, बुद्धि और विद्या प्रदान करें। मेरी प्रार्थना सुनिए।

राम सागर अधम को, आश्रय तू ही देदातु॥

- हे माता ! मैं रामसागर जैसा अज्ञानी और अधम व्यक्ति हूँ। कृपा करके मुझे अपने आश्रय में लीजिए।

Saraswati Chalisa Lyrics in English

□ Doha □
Janak janani padmaraj, nij mastak par dhari.
Bandau Matu Saraswati, buddhi bal de datari.

Poorn jagat mein vyapt tav, mahima amit anantu.
Dushjanon ke paap ko, Matu tu hi ab hantu.

Jay Shri sakal buddhi balrasi. Jay sarvagya amar avinashi.
Jay jay jay veenakar dhari. Karti sada suhans sawari.

Roop chaturbhuj dhari Mata. Sakal vishv andar vikhyata.

Jag mein paap buddhi jab hoti. Tab hi dharm ki feeki jyoti.

Tab hi Matu ka nij avatari. Paap heen karti mahatari.

Valmikiji the hatyara. Tav prasad janai sansara.

Ramcharit jo rache banai. Adi kavi ki padvi pai.

Kalidas jo bhaye vikhyata. Teri kripa drishti se Mata.

Tulsidas Soodas adi vidvana. Bhaye aur jo gyani nana.

Tinha na aur raheu avlamba. Keval kripa aapki Amba.

Karahu kripa soi Matu Bhavani. Dukhit deen nij dasahi jani.

Putra karahi aparadh bahuta. Tehi na dharai chit Mata.

Rakhu laaj janani ab meri. Vinay karun bhaaun bahu teri.

Main anath teri avlamba. Kripa karun jay jay Jagdamba.

Madhukaitabh jo ati balvana. Bahuyuddh Vishnu se thaana.

Samar hazar paanch mein ghora. Fir bhi mukh unse nahi mora.

Matu sahay keenh tehi kaala. Buddhi viparit bhai khalhala.

Tehi te mrityu bhai khal keri. Purvahu Matu manorath meri.

Chand mund jo the vikhyata. Kshan mahun sanhare un Mata.

Raktbeej se samarath papi. Surmuni hriday dhara sab kaanpi.

Kateu sir jimi kadli khamba. Bar bar binvaun Jagdamba.

Jagprasiddh jo Shumbh-Nishumbha. Kshan mein bandhe tahi tu Amba.

Bharat Matu buddhi fereu jai. Ramchandra banvaas karai.

Ehividhi Ravan vadh tu keenha. Sur nar muni sabko sukh deenha.

Ko samarath tav yash gun gana. Nigam anadi anant bakhana.

Vishnu Rudra jas kahin Mari. Jinki ho tum rakshakari.

Rakt Dantika aur Shatakshi. Naam apar hai danav bhakshi.

Durgam kaaj dhara par keenha. Durga naam sakal jag leenha.

Durg adi harani tu Mata. Kripa karahu jab jab sukhdata.

Nrip kopit ko maran chahe. Kanan mein ghere mriga nahe.

Sagar madhya pot ke bhanje. Ati tufan nahin kou sange.

Bhoot pret badha ya dukh mein. Ho daridra athva sankat mein.

Naam jape mangal sab hoi. Sanshay ismein karai na koi.

Putraheen jo aatur bhai. Sabai chhadi pooje ihi bhai.

Karai paath nit yah chalisaa. Hoy putra sundar gun Eesa.

Dhoopadik naivedya chadhavai. Sankat rahit avashya ho jaavai.

Bhakti Matu ki karai hamesha. Nikat na aavai tahi kalesha.

Bandi paath kare sat bara. Bandi paash door ho saara.

Ramsagar baandhi hetu Bhavani. Keejai kripa das nij jaani.

□ Doha □
Matu surya kaanti tav, andhkar mam roop.
Dooban se raksha karahu, parun na main bhav koop.

Bal buddhi vidya dehu mohi, sunahu Saraswati Matu.
Ram Sagar adham ko, aashray tu hi dedaatu.

Saraswati Chalisa Meaning in English

□ Doha □
Janak janani padmaraj, nij mastak par dhari.

- I place the sacred dust of the feet of the mother of all (Saraswati) on my head with respect.

Bandau Matu Saraswati, buddhi bal de datari.

- I bow to you, Mother Saraswati. O giver of knowledge and strength, please bless me with wisdom and power.

Poorn jagat mein vyapt tav, mahima amit anantu.

- Your glory is spread throughout the universe, infinite and immeasurable.

Dushjanon ke paap ko, Matu tu hi ab hantu.

- O Mother! You are the destroyer of the sins of evil-doers. Please eliminate their sins.

Jay Shri sakal buddhi balrasi. Jay sarvagya amar avinashi.

- Hail to you! You are the reservoir of all wisdom and strength. You are omniscient, immortal, and indestructible.

Jay jay jay veenakar dhari. Karti sada suhans sawari.

- Hail! Hail! Hail! You hold a veena and always ride on a swan.

Roop chaturbhuj dhari Mata. Sakal vishv andar vikhyata.

- O Mother! You appear in a four-armed form and are renowned throughout the entire world.

Jag mein paap buddhi jab hoti. Tab hi dharm ki feeki jyoti.

- When sinful intellect spreads in the world, the light of righteousness becomes dim.

Tab hi Matu ka nij avatari. Paap heen karti mahatari.

- At that time, O Mother, you incarnate to remove sin and purify the world.

Valmikiji the hatyara. Tav prasad janai sansara.

- Valmiki, who was once a murderer, became enlightened through your grace, and the world knows his story.

Ramcharit jo rache banai. Adi kavi ki padvi pai.

- He composed the Ramayana and earned the title of ‘Adi Kavi’ (the first poet).

Kalidas jo bhaye vikhyata. Teri kripa drishti se Mata.

- Kalidas became a renowned poet and scholar due to your gracious vision, O Mother.

Tulsidas Soodas adi vidvana. Bhaye aur jo gyani nana.

- Tulsidas, Soodas, and many other scholars attained great wisdom by your grace.

Tinha na aur raheu avlamba. Keval kripa aapki Amba.

- They had no other support except your divine grace, O Mother Amba.

Karahu kripa soi Matu Bhavani. Dukhit deen nij dasahi jani.

- O Mother Bhavani, please bless me in the same way, considering me your poor and distressed servant.

Putra karahi aparadh bahuta. Tehi na dharai chit Mata.

- Just as a mother does not hold grudges for her child’s many offenses, please forgive me, O Mother.

Rakhu laaj janani ab meri. Vinay karun bhaaun bahu teri.

- O Mother! Please protect my honor. I offer you my humble prayers in many ways.

Main anath teri avlamba. Kripa karun jay jay Jagdamba.

- I am an orphan with no support other than you. Bless me, O Jagdamba! Hail to you!

Madhukaitabh jo ati balvana. Bahuyuddh Vishnu se thaana.

- The powerful demons Madhu and Kaitabh challenged Lord Vishnu to a great battle.

Samar hazar paanch mein ghora. Fir bhi mukh unse nahi mora.

- They fought fiercely for five thousand years without giving up.

Matu sahay keenh tehi kaala. Buddhi viparit bhai khalhala.

- O Mother, with your assistance, their minds were clouded with confusion.

Tehi te mrityu bhai khal keri. Purvahu Matu manorath meri.

- As a result, the demons were defeated. O Mother, please fulfill my desires as well.

Chand mund jo the vikhyata. Kshan mahun sanhare un Mata.

- The infamous demons Chand and Mund were destroyed by you in a moment, O Mother.

Raktbeej se samarath papi. Surmuni hriday dhara sab kaanpi.

- Raktbeej, a powerful sinner, terrified the hearts of gods and sages alike.

Kateu sir jimi kadli khamba. Bar bar binvaun Jagdamba.

- You destroyed him like cutting a banana stalk. I humbly bow to you repeatedly, O Jagdamba.

Jagprasiddh jo Shumbh-Nishumbha. Kshan mein bandhe tahi tu Amba.

- The world-renowned demons Shumbh and Nishumbh were also defeated by you in an instant, O Amba.

Bharat Matu buddhi fereu jai. Ramchandra banvaas karai.

- You influenced the mind of Queen Kaikeyi, causing her to send Lord Ram to exile.

Ehividhi Ravan vadh tu keenha. Sur nar muni sabko sukh deenha.

- In this way, you ensured the defeat of Ravan and brought joy to gods, humans, and sages.

Ko samarath tav yash gun gana. Nigam anadi anant bakhana.

- Who is capable of fully singing your praise? The eternal scriptures describe your infinite glory.

Vishnu Rudra jas kahin Mari. Jinki ho tum rakshakari.

- Even Lord Vishnu and Rudra (Shiva) have praised you, for you are their protector.

Rakt Dantika aur Shatakshi. Naam apar hai danav bhakshi.

- You are known by names like Raktadantika and Shatakshi, and you are the destroyer of demons.

Durgam kaaj dhara par keenha. Durga naam sakal jag leenha.

- You accomplished many difficult tasks on earth and became known as Durga across the world.

Durg adi harani tu Mata. Kripa karahu jab jab sukhdata.

- O Mother Durga, you remove all obstacles. Please bless us whenever we seek your happiness-giving grace.

Nrip kopit ko maran chahe. Kanan mein ghere mriga nahe.

- If a king threatens to punish someone or wild animals attack in a forest, your protection saves them.

Sagar madhya pot ke bhanje. Ati tufan nahin kou sange.

- Even in the middle of the ocean, if a ship is destroyed and there is no one around to help, your grace provides safety.

Bhoot pret badha ya dukh mein. Ho daridra athva sankat mein.

- Whether one faces obstacles from evil spirits, sorrow, poverty, or severe difficulties, your protection removes all suffering.

Naam jape mangal sab hoi. Sanshay ismein karai na koi.

- Whoever chants your name experiences only auspicious results. There is no doubt in this.

Putraheen jo aatur bhai. Sabai chhadi pooje ihi bhai.

- A childless person who sincerely worships you will be blessed with children.

Karai paath nit yah chalisaa. Hoy putra sundar gun Eesa.

- Whoever recites this Chalisa regularly will be blessed with a beautiful and virtuous child.

Dhoopadik naivedya chadhavai. Sankat rahit avashya ho jaavai.

- Those who offer incense, sweets, and other offerings to you will certainly be free from all

troubles.

Bhakti Matu ki karai hamesha. Nikat na aavai tahi kalesha.

- Whoever constantly worships you with devotion will never face any distress or suffering.

Bandi paath kare sat bara. Bandi paash door ho saara.

- If a person in captivity recites this Chalisa twelve times, all their bonds and difficulties will be removed.

Ramsagar baandhi hetu Bhavani. Keejai kripa das nij jaani.

- O Mother Bhavani, like your devotee Ramsagar, show your grace upon me, accepting me as your humble servant.

□ Doha □
Matu surya kaanti tav, andhkar mam roop.

- O Mother! Your brilliance is like the sun, while my life is shrouded in darkness.

Dooban se raksha karahu, parun na main bhav koop.

- Protect me from drowning and prevent me from falling into the pit of worldly suffering.

Bal buddhi vidya dehu mohi, sunahu Saraswati Matu.

- O Mother Saraswati, please grant me strength, wisdom, and knowledge. Kindly listen to my prayer.

Ram Sagar adham ko, aashray tu hi dedaatu.

- Just as you gave refuge to the humble devotee Ramsagar, I seek your shelter, O Mother.